N-Traces in Kolaghat

2396. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there have been N-traces in Kolaghat flyash sometimes towards the middle of this year;

(b) if so, what was the extent of N-traces;

(c) what are the reasons for trace of radio active mineral in the flyash emitted by this power house;

(d) what has been the impact of the presence of radio active mineral on the environment and the nearby population; and

(e) what action has been taken or proposed to be taken to tackle such a situation created in this plant?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI RAJESH PILOT): (a) The West Bengal Power Development Corporation Ltd., have informed that it is not true that N-traces were detected in kolaghat flyash towards the middle of this year.

(b) to (e) Do not arise.

सुन्दराजन समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया जाना

2397. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

क्या यह सच है कि सरकार द्वारा सुन्दराजन समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इन सिफारिशों को लागू करने के लिए कोई कार्ययोजना भी तैयार की है;

(ग) यदि हां, तो इस कार्ययोजना की विस्तृत रूपरेखा क्या है; और

(घ) इस कार्ययोजना को कब तक पूरा कर लिए जाने का लक्ष्य है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा): (क) से (घ) सुन्दराजन समिति की रिपोर्ट, राष्ट्रीय तेल उद्योग की पुनर्रचना हेतु सरकार द्वारा गठित "कार्यनीतिक योजना दल" के लिए आधारभूत विचार वस्तु है। इस समिति के सदस्यों में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के शीर्ष प्रबंधक और शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल हैं। कार्यनीतिक योजना दल ने अभी तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है।

Technology mission for processing of fruits

2398. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of FOOD PROCESSING INDUSTRIES be pleased to state:

(a) whether Government have decided to introduce a technology mission for processing of fruits if so, the details thereof; and

(b) if not, by when such a technology mission is going to be introduced indicating the progress if any, made in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI K.P. SINGH DEO): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

New Project Director in TCIL Project at Zimbabwe

2399. SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI:
DR. MURLIMANOHAR JOSHI:

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether a New Project Director has been posted at TCIL Project at Zimbabwe and if so, when was the transfer order issued and whether the

officer has taken over; and

(b) if not, what are the reasons and by when the transfer orders are likely to be executed?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATION (SHRI SUKH RAM): (a) and (b) Yes Sir. A new project director was posted to the TCIL project at Zimbabwe in September, 1995. However, since the contract for the project has not been renewed, the officer could not assume his charge.

विदेशों में हिन्दी भाषा को लोकप्रिय बनाया जाना

2400. **चौधरी हरमोहन सिंह:** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों के माध्यम से दूतावास-वार कितने व्यक्तियों को हिन्दी भाषा सिखाई गई है; और

(ख) विदेशों में हिन्दी को लोकप्रिय बनाने/उसका प्रचार करने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया): (क) सूचना विवरण के रूप में संलग्न है **(नीचे देखिए)**।

(ख) विदेश स्थित अपने मिशनों के माध्यम से हिन्दी का प्रचार प्रसार करने की मंत्रालय की एक सुविचारिक योजना है। इस योजना के अंग के रूप में मानक साहित्य हिन्दी के पठन-पाठन का कार्य करने वाली स्थानीय शैक्षिक संस्थाओं, शैक्षिक संगठनों आदि को भेजा जाता है जिसमें भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, भाषा, इतिहास, धर्म दर्शन आदि जैसे विभिन्न विषयों पर हिन्दी में लिखी पुस्तकें शामिल होती हैं। हिन्दी की पाठ्य पुस्कतें, चार्ट श्रृव्य-दृश्य वीडियों कैसेट जैसी शिक्षण सहायता साम्रगी हिन्दी टाइपराइटर, कम्प्यूटर, सोफ्टवेयर आदि भी ऐसी संस्थाओं को निःशुल्क भेंट करने के लिए भेजे जाते है। हमारे मिशन स्थानीय संगठनों, भारतीय समुदाय आदि के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध बनाए रखते हैं। और उन्हें यह सामग्री भेंट करके हिन्दी भाषा से सम्बद्ध उनकी जरूरतों को पूरा करते हैं। आगरा स्थित केन्द्रीय हिन्दी संस्थान में हिन्दी के अध्ययन के लिए छात्रवृत्तियों हेतु विदेशी छात्रों से आवदेन आमंत्रित करने के लिए हमारे मिशन स्थानीय विश्वविद्यालयों से भी सम्पर्क करते हैं। कुछ हमारे मिशन हिन्दी सम्मेलन, साहित्यिक आयोजन, हिन्दी का ज्ञान रखने वाले स्थानीय छात्रों को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी निबन्ध/वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन करते रहे हैं जबकि कुछ अन्य मिशन हिन्दी सीखने के इच्छुक स्थानीय लोगों के लिए हिन्दी कक्षाएं भी लगाते हैं।

विवरण

गत तीन वर्ष अर्थात् 1992-93, 1993-94 और 1994-95 के दौरान विदेश स्थित भारतीय मिशनों में जिन व्यक्तियों को हिन्दी पढ़ाई गई

क्रम सं०	मिशन का नाम	1992-93	1993-94	1994-95	अभ्युक्तियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	भारत का हाई कमीशन, इस्लामाबाद	35	35	53	भारत आस्थानी कर्मचारियों के बच्चे
2.	भारत का हाई कमीशन, पोर्ट ऑफ स्पेन	36	30	39	सामान्य व्यक्ति
3.	भारत का राजदूतावास, मास्को	84	100	124	सामान्य व्यक्ति
4.	भारत का प्रधान कोंसलावास, न्यूयार्क	29	20	45	सामान्य व्यक्ति
5.	भारत का हाई कमीशन, कोलोम्बो	—	338	433	सामान्य व्यक्ति
6.	भारत का राजदूतावास, योगोन	250	250	250	सामान्य व्यक्ति
7.	भारत का राजदूतावास, टोक्यो	7	9	12	सामान्य व्यक्ति
8.	भारत का हाई कमीशन, जार्जटाउन	63	65	73	सामान्य व्यक्ति
9.	भारत का राजदूतावास, मनीला	28	19	15	सामान्य व्यक्ति
10.	भारत का राजदूतावास, उलान वटोर	—	—	14	सामान्य व्यक्ति
11.	भारत का प्रधान कोंसलावास, शिराज	2	2	2	सामान्य व्यक्ति